www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

आदर्श प्रश्न पत्र

हिन्दी सामान्य

कक्षा– IX

समय – 3 घण्टे **पूर्णांक– 100**

निर्देश :–

1. आरंभ में दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्न सर्वप्रथम हल करें–
2. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न के लिए **5 अंक** (1X5X5=25) निर्धारित है।
3. प्रश्न क्रमांक 6 से 15 तक के लिए **4 अंक** निर्धारित है।
4. प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक के लिए **5 अंक** निर्धारित है।
5. निबंधात्मक प्रश्न क्रमांक 21 के लिए **10 अंक** निर्धारित हैं।

प्रश्न (1) **वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–** (1X5X5 = 25)

प्रश्न 1. **निम्नलिखित कथनों के लिये** दिये गये विकल्पों से सही विकल्प का चयन कीजिये –

1. कबीर प्रवर्तक कवि हैं –

   अ) निर्गुण भक्ति धारा के ब) सगुण भक्ति धारा के

   स) ज्ञान मार्गी शाखा के द) प्रेम मार्गी शाखा के

2. ''देवताओं के अंचल में'' पाठ है।

   अ) कविता का ब) संस्मरण का

   स) कहानी का द) यात्रा वृत्तान्त का

3. नरेश मेहता कृत रचना है–

   अ) मृत्तिका ब) धनुष की प्रत्यंचा

   स) जागरण गीत द) वरदान मागूँगा नहीं।

4. ''साधु ऐसा चाहिए जैसे सूप समान'' – प्रस्तुत साखी में अलंकार है –

   अ) उपमा ब) रूपक

   स) उत्प्रेक्षा द) यमक

5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार हिन्दी साहित्य के इतिहास को विभक्त किया गया है –

   अ) चार भागो में ब) पाँच भागों में

   स) तीन भागों में द) दस भागों में

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों से उचित विकल्प के आधार पर कीजिए –

1. बुढ़ापा बहुधा ....का पुनरागमन हुआ करता है। (यौवन / बचपन)
2. रसखान पदावली में .... की बाललीला का वर्णन किया है। (श्रीराम / श्रीकृष्ण)
3. ''उपन्यसेत इति उपन्यास'' का अर्थ .... है। (सामने रखना / पीछे रखना)
4. जहाँ एक ही वर्ण की आवृत्ति एक से अनेक बार हो वह .... अलंकार कहलाता है। (अनुप्रास / उपमा)
5. वीर गाथा काल में युद्ध का.......................... वर्णन होता था। (सजीव / निर्जीव)

प्रश्न 3. क स्तंभ का ख स्तंभ से मिलान कर सही जोड़ी बनाइए–

	क स्तंभ			**ख स्तंभ**
1.	मित्रता	–	1.	जीवन का संसार
2.	जागरण गीत	–	2.	रामचन्द्र शुक्ल
3.	अस्ताचल	–	3.	रस
4.	कीर्ति	–	4.	उदयाचल
5.	श्रृंगार	–	5.	यश

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य उचित चिन्ह लगाएं–

1. निबंध का अर्थ है बंधन युक्त करना। (   )
2. "मैं अमर शहिदो का चारण" कविता के कवि सूरदास जी हैं। (   )
3. न्याय मंत्री कहानी में राजा अशोक के शासन काल का वर्णन है। (   )
4. ऐच्छिक शब्द का विलोम होता है अऐच्छिक (   )
5. ऐसे शब्द युग्म जो परस्पर विरोधी होते हैं, वे विलोम शब्द कहलाते हैं। (   )

प्रश्न 5. एक शब्द में उत्तर दीजिए –

1. हीरे से अमूल्य जनम किसमें चला जाता है ?
2. रसवान कवि कहाँ जन्म लेता चाहते थे ?
3. उन्नति का आधार कौन सी भाषा है ?
4. महाराणा प्रताप का संधिपत्र किसने अस्वीकार कर दिया ?
5. सैल्यूकस कहाँ का राजा था ?

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 6. अ. 'अधि,' और 'प्र' उपसर्ग लगाकर एक–एक शब्द बनाइए। **4**

ब. 'आकर्षण' तथा 'सक्रिय' शब्द का विलोम शब्द लिखिए।

प्रश्न 7. अ. कर्ण तथा कूप ये तत्सम शब्द हैं, इनके तद्भव शब्द लिखिए। **4**

ब. अनुचर एवं गंगा शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

प्रश्न 8. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही दो का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। **4**

नाको चने चबाना, नाक–भौं सिकोड़ना, आकाश के तारे तोड़ना।

आकाश–पाताल एक करना,

प्रश्न 9. राम भक्ति शाखा अथवा कृष्ण भक्ति शाखा की तीन प्रमुख विशेषताएँ लिखिए तथा दो कवि और उनकी रचनाओं के नाम बताईए। **4**

प्रश्न 10. 'नदी और वृक्ष से क्या शिक्षा मिलती है ? साखियाँ पाठ के आधार पर बताइये। **4**

अथवा

'रसखान' ने गोपियों के छाछ को महत्वपूर्ण क्यों बताया है।

प्रश्न 11. ईश्वर को 'अनादि' और 'अनंत' क्यों कहा गया हैं ? **4**

अथवा

पद्माकर का वसन्त वर्णन अद्वितीय है उद्धरणों द्वारा वर्णन कीजिए।

प्रश्न 12. पुरूषार्थ को सबसे बड़ा देवत्व क्यों कहा गया है ? **4**

अथवा

गुरू ने शिष्य को अशंज या वशंज क्यों कहा ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13. प्रतिष्ठित व्यक्ति फोन उठाने के लिए नौकर क्यों रखते हैं ? **4**

अथवा

'मेहमान' की वापसी कहानी के पात्र अजय के चरित्र की कोई चार विशेषताओं का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 14. 'बसु विज्ञान मंदिर' की स्थापना का क्या उद्देश्य था ? **4**

अथवा

आपकी दृष्टि में न्याय मंत्री कैसा होना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 15. आचार्य 'चाणक्य' के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। **4**

अथवा

लेखक ने कुसंग के ज्वर को सबसे भयानक क्यों कहा है ?

प्रश्न 16. निम्न लिखित पद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **5**

'' पानी केरा बुदबुदा, अस मानुष की जात।
देखत ही छिप जाएगा, ज्यों तारा परभात।।
अच्छे दिन पाछे गये गुरू से किया न हेत।
अब पछतावा क्या करै, चिड़िया चुग गई खेत।।

अथवा

''मैं नींव बन नीचे रहूँगा
लेकिन तुम सीढ़ियाँ चढ़ना''
हर दिवस बढ़ना
हर रात चढ़ना
आसमान छूना
तुम रूकोगे
तो नींव में गड़ी–गड़ी
मेरी अस्थियों में दर्द होगा।

प्रश्न 17. केन्द्रीय भाव स्पष्ट करते हुए गुणवन्ती कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। **5**

प्रश्न 18. अधोलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **5**

स्वार्थ और परमार्थ मानव की दो प्रवृत्तियाँ हैं। हम अधिकतर सभी कार्य अपने लिए करते है' पर के लिए सर्वस्व बलिदान करना ही सच्ची मानवता है। यही धर्म है, यही पुण्य है। इसे ही परोपकार कहते हैं। प्रकृति हमें निरन्तर परोपकार का संदेश देती है। नदी दूसरों के लिए बहती है। <u>वृक्ष</u> मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए ही धूप आँधी, वर्षा, और तूफानों के <u>जल</u> के रूप में अपना सब कुछ बलिदान कर देते हैं।

प्रश्न 1. 'स्वार्थ' एवं धर्म का विलोम शब्द लिखिए।

प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

प्रश्न 3. वृक्ष की क्या विशेषता है ?

प्रश्न 4. रेखांकित शब्दों के पयार्यवाची शब्द लिखिए।

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 19. **निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 5**

यह जीवन क्या है? निर्झर है,
मस्ती ही इसका पानी है।
सुख–दुख के दोनों तीरों से,
चल रहा **राह** मनमानी है।
कब फूटा **गिरि** के अन्तर से ?
किस अंचल से उतरा नीचे?
किन घाटों से बह कर आया
समतल में अपने को खींचे?

प्रश्न 1 उक्त पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न 2 जीवन को किसके समान बताया गया है।

प्रश्न 3 'सुख' एवं जीवन शब्द का विलोम लिखिए।

प्रश्न 4 रेखांकित शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्रश्न 20. अपने प्राचार्य को एक पत्र लिखिए जिसमें खेल सामग्री की समुचित व्यवस्था करने का आग्रह किया गया हो। **5**

अथवा

अपनी मित्र स्वाति शुक्ला 18–ए विजय नगर, भोपाल को नववर्ष की शुभकामना पत्र लिखिए।

प्रश्न 21. दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए– **10**

1. सादा जीवन उच्च विचार
2. समाचार–पत्र
3. मुड़ो प्रकृति की ओर
4. स्त्री शिक्षा

–––000–––

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

आदर्श उत्तर

सामान्य हिन्दी

कक्षा – IX

समय—3 घण्टे **पूर्णांक—100**

उत्तर (1) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** **(5X5=25)**

उत्तर 1. सही विकल्प का चयन कीजिये –

1. स
2. द
3. अ
4. अ
5. अ

उत्तर 2. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प द्वारा कीजिये –

1. बचपन
2. श्रीकृष्ण
3. सामने रखना
4. अनुप्रास
5. सजीव

उत्तर 3. 'क' स्तम्भ से 'ख' स्तम्भ का मिलान कर सही जोड़ी बनाइये –

1. मित्रता – रामचन्द्र शुक्ल
2. जागरण गीत – जीवन का संचार
3. अस्ताचल – उदयाचल
4. कीर्ति – यश
5. श्रृंगार – रस

उत्तर 4. सत्स/असत्य का चिन्ह लगाइये।

1. ✓ 2. X 3. ✓

4. X 5. ✓

उत्तर 5. (1) कौड़ियों में

(2) गोकुल ग्राम

(3) मातृभाषा

(4) अकबर ने

(5) सीरिया

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

उत्तर 6. उपसर्ग – **4**

अ. अधिभार, अधिकार, प्रमाण, प्रसंग

विलोम शब्द –

ब. विर्कषण, निष्क्रिय

उत्तर 7. **अ–** तद्भव शब्द – कान, कुआँ **4**

पर्यायवाची – सेवक – दास, भागीरथी, सुरसरिता

उत्तर 8. (1) अर्थ– परेशान करना **4**

प्रयोग– लक्ष्मी बाई ने अंग्रेजों को नाकों चने चबवाये।

(2) अर्थ– अधिक प्रयास करना

प्रयोग–सुयश ने पी.एम.टी. परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए आकाश पाताल एक कर दिया।

(3) नाक भौ सिकोड़ना अर्थ – घृणा करना

प्रयोग – आज कल के बच्चें दीन हीनों की मदद के नाम पर नाँक भों सिकोड़ने लगते है।

(4) आकाश के तारें तोड़ना – अर्थ – असंभव कार्य करना

प्रयोग – जीवन जैसे मूर्ख लड़के के लिये पी.ई.टी. में चयन, आकाश के तारे तोड़ने के समान है।

अथवा

कृष्ण भक्ति शाखा की विशेषता

(1) कृष्ण की लोक रंजक रूप में प्रस्तुति

(2) कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन

(3) आध्यात्म और लोक लीला वर्णन।

प्रमुख कवि – सूरदास – सूरसागर, मीरा – गीत गोविन्द की टीका

उत्तर 9. राम भक्ति धारा की विशेषता– **4**

1. ईश्वर के साकार रूप का वर्णन।
2. मर्यादा पुरुषोत्तम राम को आराध्य देव के रूप में माना।
3. भक्ति और लोक–मर्यादा को महत्व।

प्रमुख कवि – तुलसी दास – रामचरित मानस, नामादास – भक्त माल

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

उत्तर 10. **नदी**– नदी से हम सतत् रूप से गतिशील होने की शिक्षा प्राप्त करते है। जीवन में गतिशीलता ही समृद्धि का प्रतीक है नदी हमें परोपकारी होने की शिक्षा प्रदान करती है। **4**

वृक्ष – वृक्ष का जीवन स्वयं के लिए नहीं अपितु दूसरो का सदैव उपकार करने में बीतता है। किसी भी स्थिति–परिस्थिति में 'सम' रहने की शिक्षा मानव जीवन को वृक्ष से प्राप्त होती है। इससे व्यक्ति में स्थायित्व बने रहने एवं परोपकार की भावना बलवती होती है।

अथवा

गोपियों की छाछ को अत्यधिक महत्व इसलिये प्रदान किया गया हैं कि जिस ईश्वर की प्राप्ति के लिए अनेक ऋषिमुनि अखंड साधना एवं तपस्या करते हैं इसके बावजूद भी श्रीकृष्ण के स्वरूप का उन्हें दर्शन दुर्लभ रहता हैं यहीं गोपियाँ अनन्य प्रेम एवं समर्पण के माध्यम से छाछ जैसे तुच्छ पदार्थ के द्वारा श्रीकृष्ण को मन चाहे नाच नचाने को विवश कर देती है।

उत्तर 11. ईश्वर की शक्ति अपरम्पार है। ईश्वर का स्वरूप निराकार है उसका न कोई आदि है और न कोई अंत उसकी सत्ता सर्वव्यापी है। ईश्वर का वास हर कहीं है– **"कहा भी गया है विनु पद चले सुने बिनुकाना, कर बिनु कर्म करे विधि नाना।"** गोस्वामी तुलसी दास की यह पंक्ति ईश्वर के अनादि एवं अनन्त स्वरूप को व्यक्त करती है। **4**

अथवा

पद्माकर का ऋतु वर्णन हिन्दी साहित्य में अप्रतिम महत्व रखता है। पद्माकर ने बसंत ऋतु के माध्यम से बंसत को ऋतुराज के रूप में प्रस्तुत किया है। बंसत की बहार मानव जीवन में नया आनंद और उमंग पैदा करती है। प्रकृति अपने प्राचीन स्वरूप को त्याग कर नवीन रूप धारण करती है। प्रकृति को पूर्ण रूप से मानवीय रूप प्रदान कर पद्माकर ने बंसत वर्णन को जीवन्त रूप प्रदान किया है।

यथा– कूलन में केलिन में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलिन कलीन किलकन्त हैं–

इसी तरह पद्माकर बंसत के सर्वत्र व्याप्त होने की ओर संकेत करते है–

"वीथिन में, ब्रज में, नवेलिन में, वेलिन में,
बनन में बागन में बगरो बसन्त है।"

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com
http://www.mpboardonline.com

उत्तर 12. मातृत्व स्वरूपा, प्रिया स्वरूप, शिशुभाव इन तीनों का सार्थक समन्वय ही पुरूषार्थ को देवत्व का रूप प्रदान करता हैं। 4

अथवा

गुरू ने शिष्य को अंशज या वंशज इसलिए कहा है क्योंकि ज्ञान तत्व सूक्ष्म रूप है और शरीर तत्व स्थूल। गुरू ज्ञान देकर अपना एक अंश शिष्य को सौंप देता है इस प्रकार शिष्य उसका अंशज होता है दूसरी ओर वह गुरू का मानस पुत्र बनकर उसके उत्तराधिकार को सम्हालता है इसलिए वंशज कहा गया है।

उत्तर 13. प्रतिष्ठित व्यक्ति व्यस्तता दिखावा करने के लिए नौकर रखते हैं। नौकर के माध्यम से वे यह बताना चाहते हैं कि उनके यहाँ हमेशा ही इस तरह टेलीफोन आते रहते हैं। और वे व्यवस्तता के कारण टेलीफोन तक नहीं उठा पाते इसलिए वे फोन उठाने के लिए नौकर रखते हैं। 4

अथवा

अजय के चरित्र की विशेषताएँ–

1. संवेदनशील 2. मानवीय
3. परोपकारी 4. विनम्र

इन बिन्दुओं का विस्तार विद्यार्थी अपने स्वविवेक से कर सकेंगे।

उत्तर 14. 'बसु विज्ञान मंदिर' की स्थापना का उद्‌देश्य यह था कि बसु महोदय देश में विज्ञान का प्रचार–प्रसार करना चाहते थे और इस विज्ञान मंदिर को प्रमुख शोध संस्थान के रूप में विकसित कर इसमें वैज्ञानिकों, विधार्थियों के लिए शोध संबंधी आवश्यक सुविधाएँ जुटाना चाहते थे। यही उनका उद्‌देश्य था। 4

अथवा

मेरी दृष्टि में शिशुपाल जैसा न्याय मंत्री होना चाहिए। शिशुपाल जैसी निर्भीकता, सत्य–प्रियता, न्याय–प्रियता एवं पराक्रमी व्यक्तित्व ही न्याय मंत्री के रूप में सफल हो सकता है। न्यायमंत्री को हमेशा दूध का दूध और पानी का पानी जैसा करने की कला में महारथ हासिल होना चाहिए। इन विशेषताओं का एक न्यायमंत्री में होना आवश्यक है।

उत्तर 15. आचार्य चाणक्य के व्यक्तित्व में निम्न विशेषताएँ परिलक्षित होती हैं – 4

1. संकल्प प्रियता 2. देशभक्ति 3. साहसिक व्यक्तित्व

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

4. स्वाभिमानी 5. मितव्ययी 6. आदर्शवादी

7. न्यायप्रिय

इन बिन्दुओं का विस्तार छात्र स्वविवेक से करेंगे।

अथवा

कुसंग का ज्वर सबसे भयानक इसलिए माना गया है क्योंकि बुरी संगति न केवल नीति व सद्वृत्ति का नाश करती है बल्कि हमारे विवेक को भी नष्ट कर दती है। बुद्धि का पतन होने से मुनष्य का भी पतन सुनिश्चित है। इसी कारण कुसंग को सबसे भयानक ज्वर कहा गया है।

उत्तर 16. कवि –कबीरदास, शीर्षक– साखियाँ। **5**

प्रसंग– प्रस्तुत पद्यांश में कबीरदासजी ने मनुष्य के क्षण भंगुर जीवन की ओर संकेत किया है। साथ ही उचित अवसर के महत्व को रेखांकित किया है।

अर्थ – कवि कबीरदासजी ने पानी की तुलना मनुष्य से की हैं जिस प्रकार पानी का बुलबुला क्षण भंगुर होता है उसी तरह मनुष्य का जीवन भी क्षण भंगुर है इन दोनो की गति उस तारे के समान होती हैं जो प्रातः काल होते ही अदृश्य हो जाता है। अर्थात उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

कवि ने गुरू की महत्ता प्रतिपादित करते हुए कहा है कि उचित अवसर पर गुरू से ज्ञान प्राप्त न किया जाय तो अन्त में पश्चाताप् करना ही पड़ता है। कवि का यह संदेश इस कहावत को चरितार्थ करता है कि जब चिड़िया खेत चुग गई तब पश्चाताप करने से कोई लाभ नही होता।

अथवा

संदर्भ– प्रस्तुत पद्यांश डॉ0 देवेन्द्र दीपक द्वारा रचित धनुष की प्रत्यंचा पाठ से अवतरित है।

प्रसंग– कवि ने शिक्षक के दायित्व को रेखांकित करते हुए उसे नीव की संज्ञा प्रदान की है।

व्याख्या – कवि का कथन है कि शिक्षक नींव के रूप में आधार प्रदान करेगा और उसका शिष्य उस आधार के माध्यम से प्रगति के सोपान तय करते हुए दिन–रात उन्नति के पथ पर अग्रसर होता रहेगा। शिक्षक की कामना है कि उसका शिष्य आसमान की बुलंदी को स्पर्श करे। साथ ही वह अपने शिष्य को चेतावनी देते हुए कहता है कि यदि तुम्हारी प्रगति अवरुद्ध हुई तो नींव के रूप में विद्मान मेरी भावनाए हमेशा आहत होती रहेंगी।

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

उत्तर 17. 'गुणवन्ती' काल्पनिक कहानी है। जिसका पात्र मोहन अनपढ़ एवं गरीब था उसका विवाह नही हो पा रहा था उसने गाँव के चतुर नाई से विवाह करवा देने का अनुरोध किया। चालाक नाई ने मोहन का विवाह धोखे से राजकुमारी से करवा दिया। सुन्दर, सुशील, सुशिक्षित गुणवन्ती ने मोहन को पति स्वीकार कर अपनी आर्थिक स्थिति को बदलने का उपक्रम किया। देखते ही देखते राजकुमारी की लगन एवं मेहनत ने मोहन और गुणवन्ती के जीवन को बदल दिया।

राजकुमारी के अथक परिश्रम से प्रसन्न हो कर राजा ने अपनी बेटी पर गर्व का अनुभव करते हुए कहा–तुम्हारी सफलता उन सभी के लिए प्रेरणादायक हो सकती है, जो बाधाओं और कठिनाइयों पर विजय प्राप्त करना चाहते हैं। **केन्द्रीय भाव**– विषम परिस्थितियों में भी राजकुमारी हिम्मत नहीं हारती और अथक परिश्रम, सूझ बूझ व लगन के बल पर जीवन में आई कठिनाइयों और बाधाओं पर विजय प्राप्त कर सफलता अर्जित करती है। यही इस कहानी का केन्द्रीय भाव है। **5**

उत्तर 18. अपठित गद्यांश –

i) विलोम शब्द – स्वार्थ का परमार्थ, धर्म का अधर्म

ii) परमार्थ (इससे मिलते–जुलते सारे शीर्षक सही होगे)

iii) वृक्ष की विशेषताएँ–

01 वृक्ष हमेशा परोपकार के कार्य करता है।

02 स्वयं धूप, आँधी, तूफान सहकर दूसरों को छाया, फल एवं जल प्रदान करता है।

iv) पर्यायवाची – वृथ, पेड़, विटप।

जल– नीर, तोय, पय, वारि।

उत्तर 19. अपठित पद्यांश – **5**

i) उचित शीर्षक – निर्झर, झरना या अन्य।

ii) जीवन को झरने के समान गतिशील बताया है।

iii) विलोम शब्द – सुख– दुःख, जीवन – मृत्यु

iv) पर्यायवाची – **राह**– पथ, मार्ग

गिरि– पवर्त, पहाड़

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com
http://www.mpboardonline.com

उत्तर 20. **5**

प्रति,

प्राचार्य महोदय,
आदर्श उ. मा. वि. टी. टी. नगर,
भोपाल (म.प्र.)

विषय :– खेल सामग्री की समुचित व्यवस्था करने विषयकः–

महोदय,

उक्त विषय में निवेदन है कि खेलों का हमारे जीवन में सर्वाधिक महत्व होता है। कहा भी गया है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। मेरे विद्यालय में कुछ खेलों की उत्कृष्ट सुविधाएँ मौजूद हैं, लेकिन टेबिल–टेनिस, बास्केट–बाल एवं जिमनास्टिक की अपेक्षित सुविधाओं का अभाव है।

अतः निवेदन है कि विद्यालय में खेलकूद का समुचित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए उक्त खेलों की सामग्री की व्यवस्था कराने का कष्ट करें ताकि हमारा विद्यालय भी शैक्षिक के साथ शैक्षिकेत्तर गतिविधियों में भी सम्पूर्ण प्रान्त में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर सके।

दिनॉक :– भवदीय
अ,ब,स

अथवा

प्रिय स्वाति,

सादर नमस्ते,

आशा है कि तुम कुशल से होगी। मेरी कामना है कि तुम निरन्तर उन्नति के पथ पर अग्रसर रहो। जैसा कि तुम्हे विदित है कि हम शीघ्र ही इस वर्ष को विदा कर नव वर्ष का स्वागत करने जा रहे हैं। नव वर्ष तुम्हारे लिए मंगलमय हो, तुम्हारी हर इच्छाएँ पूर्ण हों, तुम निरंतर उन्नति करो। तुम यश की बुलन्दियों को स्पर्श करो, यही मै ईश्वर से कामना करती हूँ।

आदरणीय माताजी एवं पिताजी को सादर अभिनन्दन एवं नीलू तथा सोनू को स्नेह।

तुम्हारी सहेली
प्रियंका

प्रति,

स्वाति शुक्ला
18–ए, विजय नगर, भोपाल (म0प्र0)

उत्तर 21. **निबंध लेखन –** **10**

छात्र मौलिकता को ध्यान में रख कर दिये गये बिन्दुओं के आधार पर विषय को विस्तार देने का प्रयास करेंगे।

- प्रस्तावना
- विषय का महत्व
- विषय के लाभ एवं हानि
- विषय से सम्बन्धित जानकारी/क्षेत्र
- उपसंहार –
  इसके अन्तर्गत सम्पूर्ण विषय का सार तथा कोई ठोस सुझाव देकर निबंध की समाप्ति की जाए।

http://www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com